कुल पेजों की संख्या : 4
कुल प्रश्नों की संख्या : 14

नामांक | | | | | |

वार्षिक परीक्षा सत्र 2017-18
कक्षा-8
GD-501
विषय - हिन्दी

समय : 3.15 घंटा पूर्णांक : 100

नोट : 1. सभी प्रश्न करने अनिवार्य है।
2. सभी प्रश्नों के अंक प्रश्न के सामने अंकित है।

खण्ड-1

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

भारतीय संस्कृति की पावन-परम्परा में नारी को सदैव सम्माननीय स्थान प्राप्त रहा है। वैदिक काल से नारी की प्रतिष्ठापना अर्द्धांगिनी के रूप में की गई है। नारी को सरस्वती, लक्ष्मी और दुर्गा का रूप माना जाता है। अतएव प्राचीन भारत में सर्वत्र नारी का देवी रूप पूज्य था। यज्ञ आदि अवसरों पर पुरुष के साथ नारी की उपस्थिति अनिवार्य मानी जाती थी। उसके बिना कोई मांगलिक कार्य अधूरा माना गया था। परन्तु वैदिक काल पश्चात् से नारी की सामाजिक स्थिति में गिरावट आने लगी तथा उसका अस्तित्व घर की चारदीवारी तक सीमित रहने लगा। इसी कारण नारी-जीवन को लेकर अनेक कुप्रथाओं और रूढ़ियों का प्रसार हुआ। उन्नीसवीं शताब्दी में जब भारत में ब्रिटिश साम्राज्य की स्थापना हुई, तब नारी की उस चिन्तनीय स्थिति में परिवर्तन आने लगा। ज्ञान-विज्ञान का प्रसार होने, नव जागरण का स्वर उभरने से समाज-सुधारक महापुरुषों ने नारी-समाज के उत्थान के अनेक कार्य किये और नारी को जन-नेतृत्व का प्रशस्त पथ दिखाया।

(1) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। ½
(2) प्राचीन भारत में नारी को किस रूप में माना जाता था? 1
(3) उन्नीसवीं शताब्दी में नारी की स्थिति में परिवर्तन के क्या कारण रहे? 1

2. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

नींद कहाँ उनकी आँखों में,
जो धुन के मतवाले हैं।
गति की तृषा और बढ़ती,
पड़ते पद में जब छाले हैं।
जागरूक की जय निश्चित है,

हार चुके सोने वाले।
लेगा अनल-किरीट भाल पर,
जो आशिक होने वाले हैं।

(1) उपर्युक्त पद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। ½

(2) 'जागरूक की जय निश्चित है, हार चुके सोने वाले।' पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए। 1

(3) अनल-किरीट से क्या अभिप्राय है? 1

खण्ड-2

3. दिए गये बिन्दुओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबन्ध लिखिए- 10

(क) मोबाइल फोन : लाभ अथवा हानि

(1) प्रस्तावना (2) मोबाइल फोन से लाभ
(3) मोबाइल फोन से हानि (4) उपसंहार

(ख) दूरदर्शन : वरदान या अभिशाप

(1) प्रस्तावना (2) दूरदर्शन का महत्व (3) दूरदर्शन एक वरदान
(4) दूरदर्शन का दुष्प्रभाव (5) उपसंहार

(ग) पर्यावरण प्रदूषण : कारण और निवारण

(1) प्रस्तावना (2) पर्यावरण प्रदूषण के प्रकार एवं उनके कारण
(3) पर्यावरण प्रदूषण निवारण उपाय (4) उपसंहार

(घ) त्योहारों का महत्व

(1) प्रस्तावना (2) प्रमुख त्योहार (3) त्योहारों का महत्व एवं उद्देश्य
(4) त्योहारों के दोष (5) उपसंहार

4. स्वयं को रा.उ.मा.वि. सिरोही की कक्षा 9 का विद्यार्थी राकेश मानते हुये अपने बड़े भाई की शादी में जाने के लिये तीन दिन के अवकाश हेतु अपने प्रधानाचार्य को एक प्रार्थना पत्र लिखिए। 5

अथवा

स्वयं को रा.उ.मा.वि. प्रतापगढ़ की कक्षा 9 का विद्यार्थी विनोद मानते हुये अपने प्रधानाचार्य से स्वयं का चरित्र प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए एक प्रार्थना पत्र लिखिए।

खण्ड-3

5. (1) निम्नलिखित जातिवाचक संज्ञा से भाववाचक संज्ञा बनाइये- 2

दानव, लड़का, प्रभु, [illegible]

(2) संधि की परिभाषा देते हुये बतलाइये की रामानुज का संधि विच्छेद क्या होगा? 2

(3) एक+एक का संधि करने पर नया शब्द क्या बनेगा? 1

(4) 'अत्यधिक' शब्द में कौनसा उपसर्ग आया है? 1

(5) 'इक' प्रत्यय के योग से चार शब्द बनाइये। 2

(6) गंगा, लक्ष्मी शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए। 2

(7) आशीर्वाद, उज्वल, श्रृंगार आशीश शब्दों को शुद्ध करके लिखिए। 2

(8) निर्माण-निर्वाण एवं आवरण-आमरण शब्दों के अर्थभेद बतलाइये। 2

(9) अनुज, क्षत्रिय शब्दों के लिंग परिवर्तन कर लिखिए। 1

खण्ड-4

6. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए- 8

सूर्य की रश्मियाँ मानस के जल में परावर्तित हो अनन्त सूर्यों का आभास करा रही थी। मानसरोवर की लहरें सागर की लहरों की तरह उठतीं-गिरतीं, क्षितिज और मानस के जल का रंग एक जैसा-एक रूप! कहाँ जल की सीमा खत्म होती है और क्षितिज शुरू होता है, जान पाना असम्भव है। चारों ओर पठारी मैदान और कुछ-कुछ छोटी पहाड़ियाँ, मध्य में यह दैवी अपार जल राशि, जिसे स्वयं ब्रह्मा ने अपने मानस से रचा और जहाँ देवगण स्नान करने आते हैं।

अथवा

महर्षि दधीचि ने परमार्थ के लिए अपना शरीर छोड़कर अस्थियों का दान करना सहर्ष स्वीकार कर लिया। उन्होंने अपने मन को समाधिस्थ कर तन की ज्योति को परमात्मा में एकाकार कर दिया। इन्द्रदेव उनकी अस्थियाँ लेकर विश्वकर्मा के पास पहुँचे तथा वज्रास्त्र निर्माण का निवेदन किया। विश्वकर्मा ने उन अस्थियों से वज्रास्त्र बनाकर देवराज को दिया।

7. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए- 8

दो न्याय अगर तो आधा दो, पर इसमें भी यदि बाधा हो,
तो दे दो केवल पाँच ग्राम, रखो अपनी धरती तमाम।
हम वही खुशी से खायेंगे,
परिजन पर असि न उठायेंगे।
दुर्योधन वह भी दे न सका, आशिष समाज की ले न सका,
उलटे, हरि को बाँधने चला, जो था असाध्य, साधने चला।
जब नाश मनुज पर छाता है,
पहले विवेक मर जाता है।

अथवा

नागण-जाया चीटला, सिंघण-जाया साव।
राणी जाया नह रूकै, सो कुल-वार सुभाव॥
इला न देणी आप-री, रण-खेता भिड़ जाय।
पूत सिखावै पालणै, मरण-बड़ाई माय॥

8. दाहिर सेन की चारित्रिक विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए। 5
(उत्तर सीमा 100 से 120 शब्द)

अथवा

'अभ्यर्पण' में संकलित दानवीरों के जीवन से हमें क्या प्रेरणा मिलती है? अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए। (उत्तर सीमा 100 से 120 शब्द)

9. 'मेरा जीवन' कविता का भावार्थ अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए। 5
(उत्तर सीमा 100 से 120 शब्द)

अथवा

'वीर सतसई' में राजस्थान की वीर-संस्कृति का वर्णन किस प्रकार हुआ है? बताइये। (उत्तर सीमा 100 से 120 शब्द)

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए- (उत्तर सीमा 40 शब्द)
(1) 'नींव की ईंट' निबन्ध में जो संदेश दिया गया हैं, उसे स्पष्ट कीजिए। 3
(2) पन्ना धाय ने उदयसिंह के प्राणों की रक्षा कैसे की? स्पष्ट कीजिए। 3
(3) डॉ. अब्दुल कलाम को 'मिसाइल मैन' क्यों कहते हैं? 3
(4) 'खोटे ग्रह जपु दानु' पंक्ति से बिहारी ने किस मनोभाव को प्रकट किया हैं? 3
(5) मीराँ ने अमोलक वस्तु किसे कहा हैं? 3
(6) श्रीकृष्ण हस्तिनापुर किसके दूत बनकर और क्यों गये थे? 3

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-
(1) छोटा जादूगर को मेले में लेखक ने क्या पिलाया था? 2
(2) गिरनार को भव्यता किसने प्रदान करायी? 2
(3) मीराँ की भक्ति कौनसे भाव की मानी जाती हैं? 2
(4) श्रीराम के स्पर्श से शिला से नारी बनने वाली स्त्री का नाम क्या था? 2

12. 'रामधारीसिंह दिनकर' का जीवन परिचय संक्षेप में लिखिए। 4

13. ~~'[illegible] विजय' का जीवन परिचय संक्षेप में बतलाइये।~~ 4

14. (1) गाड़ी चलाते समय ध्यान रखने योग्य कोई चार बातें लिखिए। 2
(2) 'सड़क सुरक्षा' से सम्बन्धित कोई तीन स्लोगन लिखिए। 3